नाम : _____ कक्षा : _____

बंदर और मगरमच्छ

एक घना जंगल था। जंगल में एक नदी थी। नदी के किनारे एक जामुन का पेड़ था। उस पर एक शरारती बंदर रहता था। वह रोज़ मीठे-मीठे जामुन खाता था। एक दिन, एक मगरमच्छ नदी में आया। उसने बंदर से दोस्ती की और रोज़ जामुन खाने लगा। एक दिन मगरमच्छ ने कहा, "दोस्त, तुम्हारी दोस्ती मुझे बहुत प्यारी है। तुम्हारी जामुन तो बहुत मीठी हैं। तुम्हारी जामुन खाकर मेरा दिल भी बहुत मीठा हो गया होगा। मेरी पत्नी तुम्हारे दिल को खाना चाहती है।"बंदर बहुत डर गया, पर वह समझदार था। उसने मुस्कुराते हुए कहा, "दोस्त, मेरा दिल तो पेड़ पर रखा है। चलो, उसे ले आते हैं।"
मगरमच्छ बंदर को अपनी पीठ पर बिठाकर ले जाने लगा। जब वे नदी के बीच में पहुँचे, तो बंदर ने कहा, "मगरमच्छ भाई, क्या तुम सच में सोचते हो कि कोई अपना दिल शरीर से अलग रख सकता है?"
मगरमच्छ को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने बंदर को वापस पेड़ पर छोड़ दिया। बंदर ने सबक सिखाया कि कभी भी किसी पर आँख बंद करके भरोसा नहीं करना चाहिए।

नैतिक शिक्षा: बिना सोचे-समझे किसी पर भरोसा मत करो।

1 . जामुन के पेड़ पर कौन रहता था?

उत्तर:_____

2 . बंदर की दोस्ती किससे हुई?

उत्तर:_____

3 .बंदर ने अपनी जान कैसे बचाई?

उत्तर:_____